हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शुक्रवार 20 फरवरी 2026

11 तहसील कार्यालय में शौचालयों का बुरा...

12 272 पीआईडी रद्द करने के संबंध में विधायक ...

खबर संक्षेप

रेलवे लाइन के पास कल से दिया जाएगा धरना

भिवानी। गांव लोहारी जाटू के खेतों से निकल रही हांसी-भिवानी रेलवे लाइन के सी-60 फाटक को ओपन किए जाने की मांग को लेकर 21 फरवरी से धरना दिया जाएगा। पूर्व पंचायत समिति के सदस्य राजेंद्र कुमार ने बताया कि ओपन फाटक की मांग को लेकर बवानीखेड़ा तहसीलदार के कार्यालय के बाहर धरना दे चुके हैं। रेलवे अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई,लेकिन उनकी समस्या को कोई समाधान नहीं हो पाया है। अब उनको मजबूरन 21 फरवरी से धरना देना पड़ेगा।

अवैध बताकर मुख्य लाइन से पेयजल कनेक्शन काटे

लोहारू। शहर की अमर कॉलोनी में जनस्वास्थ्य विभाग की टीम ने जलघर को जोड़ने वाले मुख्य पाइप लाइन पर वर्षों से चल रहे पेयजल कनेक्शनों को अवैध बताकर उखाड़ दिया है। जिससे कॉलोनी के लोगों में काफी रोष देखने को मिल रहा है। विभाग के अधिकारियों ने लोगों की समस्याओं का शीघ्र समाधान किए जाने की बात कही है। कॉलोनी के अनेक लोगों ने बताया कि इस कॉलोनी में पेयजल की पाइप लाइन नहीं है तथा वर्षों से मुख्य लाइन पर भी उनके पेयजल कनेक्शन चल रहे थे। इन सभी कनेक्शन को हटाए जाने से उनके घरों में पेयजल की समस्या पैदा हो गई है।

पॉश कॉलोनियों से अतिक्रमण नहीं हटा तो चलेगा बुलडोजर

अवैध कब्जाधारियों को सप्ताह में हटाना होगा अतिक्रमण

एचएसवीपी ने अतिक्रमणकारियों के घर पहुंचकर थमाए नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

अब सेक्टर व उसके आसपास की पॉश कॉलोनियों में सड़कों व गलियों में चबूतरा बनाने व अतिक्रमण करने वाले की खैर नहीं। अब जल्द ही हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने उक्त इलाके में सड़क व गलियों में किए गए 60 अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए हैं। साथ ही अवैध कब्जाधारियों को एक सप्ताह के भीतर अपने आप कब्जे हटाने की हिदायत दी है। अगर इस दरम्यान कब्जाधारक चबूतरे व गली में बाहर निकाली गई दीवार नहीं तोड़ेगा तो विभाग अभियान चलाकर इनको बुलडोजर से तुड़वाएगा। अतिक्रमण हटवाने का हर्जाना भी कब्जाधारक से ही वसूला जाएगा। लोगों को इस तरह के नोटिस मिलने के बाद हड़कम्प मच गया है। दूसरी तरफ लोगों ने इस तरह के कार्रवाई से बचने के लिए भागदौड़ में जुट गए हैं।

उल्लेखनीय है किसी व्यक्ति ने प्रशासन के समाधान शिविर में सेक्टर व उसके आसपास लगते क्षेत्रों में अतिक्रमणकारियों की वजह से सड़कों की चौड़ाई बेहद कम होने की शिकायत की थी। शिकायतकर्ता ने यह भी बताया था कि अवैध कब्जों की वजह से गलियों व सड़कों से वाहनों का भी निकालना मुश्किल हो गया है। शिकायत मिलने के बाद एचएसवीपी विभाग के सेक्टर व विक्कर सेक्शन में जाकर लोगों को उनके घरों के आगे बनाए गए चबूतरें, व निकाली गई दीवारों को हटाने के निर्देश दिए हैं। इस कार्य के लिए उनको एक सप्ताह का वक्त दिया है। नोटिसों में बताया कि अगर सप्ताह में भीतर वे अपने आप कब्जों को हटाए, नहीं तो अभियान चलाकर एचएसवीपी विभाग हटवाएगा। इस दौरान बुलडोजर से अवैध कब्जे हटवाने का जो भी खर्च आएगा। वह उसी उपभोक्ता पर डाला जाएगा। जिसने अतिक्रमण किया है। फिलहाल एचएसवीपी विभाग इस तरह के कुछ लोगों को तो नोटिस दे चुका है। बाकी बचे लोगों को सूचीबद्ध करने में जुटा है। ताकि लोगों द्वारा किए गए कब्जे को हटवाया जा सके।

आवागमन में लोगों को होती है परेशानी

इस बारे में विभाग के कनिष्ठ अभियंता मनोज कुमार ने बताया कि अनेक जगहों पर लोगों ने चबूतरे बनाए हुए है। जिससे आने जाने में लोगों को परेशानी होती है। अब कई लोगों को इस बारे में लिखित नोटिस के साथ साथ मौखिक भी कहा गया है। एक सप्ताह के भीतर अतिक्रमण हटाए नहीं तो उनको विभाग बुलडोजर की मदद से हटवाया जाएगा। इस बारे में सभी को सूचित कर दिया है।

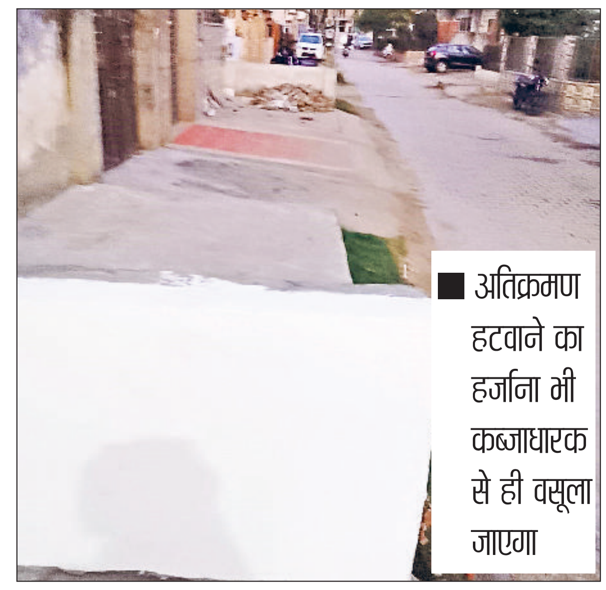

■ अतिक्रमण हटवाने का हर्जाना भी कब्जाधारक से ही वसूला जाएगा

मकानों के आगे बने हैं चबूतरे

यहां यह बताते चले कि सेक्टर व एचएसवीपी के अंतर्गत आने वाली रिहायशी कॉलोनियों में अनेक मकानों के आगे लोगों ने चबूतरे बनाए हुए है। जिनकी वजह से रास्ते की चौड़ाई कम हो चुकी है। वाहनों के निकालने में बड़ी समस्या हो रही है। कई लोगों ने घरों के आगे छोटी छोटी दिवारे निकालकर उनमें पौधे आदि लगाए हुए है। जिससे रास्तें तंग हो गए है। इस बारे में लोगों ने कई बार शिकायतें की। उसके बाद भी मकानों के आगे अतिक्रमण है।

डॉ. पवन को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष पद का सौपा अतिरिक्त कार्यभार

भिवानी। शैक्षिक क्षेत्र में लगभग 36 वर्षों के अभूतपूर्व दीर्घकालीन अनुभवों के चलते प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष पद का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। उन्होंने शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष पद पर पुनः कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने अपनी नियुक्ति पर मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री का आभार जताया और कहा कि सरकार ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे उसे सार्थक सिद्ध करेंगे। वहीं बोर्ड उपाध्यक्ष, बोर्ड सचिव व अधिकारियों के साथ मिलकर बोर्ड को और उच्च मुकाम पर ले जाएंगे। इस अवसर पर बोर्ड के अधिकारियों व कर्मचारियों, शिक्षा जगत से जुड़े विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों व शिक्षाविदों ने बोर्ड अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार का फूल-मालाओं से स्वागत किया। डॉ. पवन ने बताया कि प्रदेश के शैक्षिक क्षेत्र में बहुआयामी व सार्थक सुधार लाकर शिक्षा बोर्ड को नई दिशा देकर इसकी कार्यप्रणाली को और अधिक छात्र-हितैषी, पारदर्शी व सुदृढ़ बनाएगें। उन्होंने बताया कि बोर्ड की 2026-27 की परीक्षाओं में ऑन-सक्रीन मार्किंग को लेकर काम शुरू कर दिया है।

भिवानी। डॉ. पवन कुमार का अभिनंदन करते बोर्ड अधिकारी।

892 शिकायतें मिली निराधार केवल 124 शिकायतें लंबित

सीटीएम ने समाधान शिविर में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में आमजन की समस्याओं के त्वरित निवारण के उद्देश्य से लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। समाधान शिविर में सीटीएम अनिल कुमार ने नागरिकों की समस्या सुनी। उन्होंने समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर का उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर त्वरित और प्रभावी समाधान उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशानुसार प्रत्येक सोमवार एवं वीरवार को जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

सीटीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन समस्याओं को बार-बार रिओपन किया जाता है, उनकी पुनः जांच नामित सदस्य द्वारा विधिवत सत्यापित करवाई जाए और उसके बाद ही पोर्टल पर अपलोड किया जाए। इससे अनावश्यक रूप से मामलों के दोबारा खुलने की स्थिति पर रोक लगेगी और शिकायतों का स्थायी समाधान सुनिश्चित होगा। उन्होंने अधिकारियों से पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए ताकि आमजन को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें।

95 प्रतिशत समस्याओं का हो चुका है समाधान

सीटीएम अनिल कुमार ने बताया कि अब तक नागरिकों की 4051 शिकायतें समाधान शिविर में आई हैं। इनमें से 2936 समस्याओं का समाधान हो चुका है। समाधान शिविर में 892 शिकायतें निराधार हैं। केवल 124 शिकायतें लंबित हैं। 84 शिकायतें रि-ओपन से संबंधित हैं। इस तरह से केवल 208 शिकायतें ही शेष हैं यानि पांच प्रतिशत शिकायतें ही बिना समाधान के रहती हैं बाकि 95 प्रतिशत शिकायतों का समाधान किया जा चुका है।

इन्होंने रखीं शिकायतें

पूर्व पार्षद ईश्वर मान ने मुंढाल खुर्द में महर्षि वाल्मिकी भवन का निर्माण व भिवानी के पुराना रैड रोबिन के पास सफाई व्यवस्था करवाने, अनिल सोलंकी ने नया बस स्टैंड के मेन गेट पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से निजात दिलवाने, सुनील वर्मा नम्बरदार ने चौधरी बंसीलाल राजकीय सामान्य हस्पताल में शौचालय व सीवर सफाई तथा लिफ्ट को ठीक करवाने बारे, लालावास निवासी रमेश ने घरों व गऊशाला के उपर से जाने वाली 11 हजार वोल्ट की तार हटवाने, मंजू ने बीपीएल राशन कार्ड बनवाने, तोलाराम ने रूकी हुई बुढ़ापा पेंशन दिलवाने, सुरेन्द्र ने हाऊसिंग बार्ड के पार्क में छतरी बनवाने, सिवाड़ा निवासी विजय ने गली में बने अवैध चबूतरे हटवाने, तालू निवासी विनोद ने रास्ते में लगे बिजली के पोल को हटवाने, गुजरानी निवासी चेतराम गांव में जोहड़ का सौंदर्यकरण करवाने व जोहड़ पर अवैध अतिक्रमण हटवाने तथा दीपचंद, कर्मवीर, अंशु, मंजु आदि ने पीपीपी से संबंधित समस्याएं रखीं।

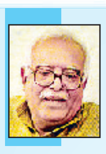

कहानी
प्रकाश मनु

गुड़िया दोस्तों के साथ चली चांद के देश

बच्चो, अगर चांद तुम्हारे छत पर उतर आए और बगल में बैठकर आसमान की दुनिया के बारे में बताए, इस बीच तुम्हारे दोस्त भी आ जाएं, सबका मन आसमान की सैर करने को हो जाए, सब चांद की किरणों के खटोले पर बैठकर चल दें तो कितना मजा आएगा! ऐसा ही कुछ गुड़िया के साथ हुआ। पढ़ो, बहुत ही मजेदार कहानी।

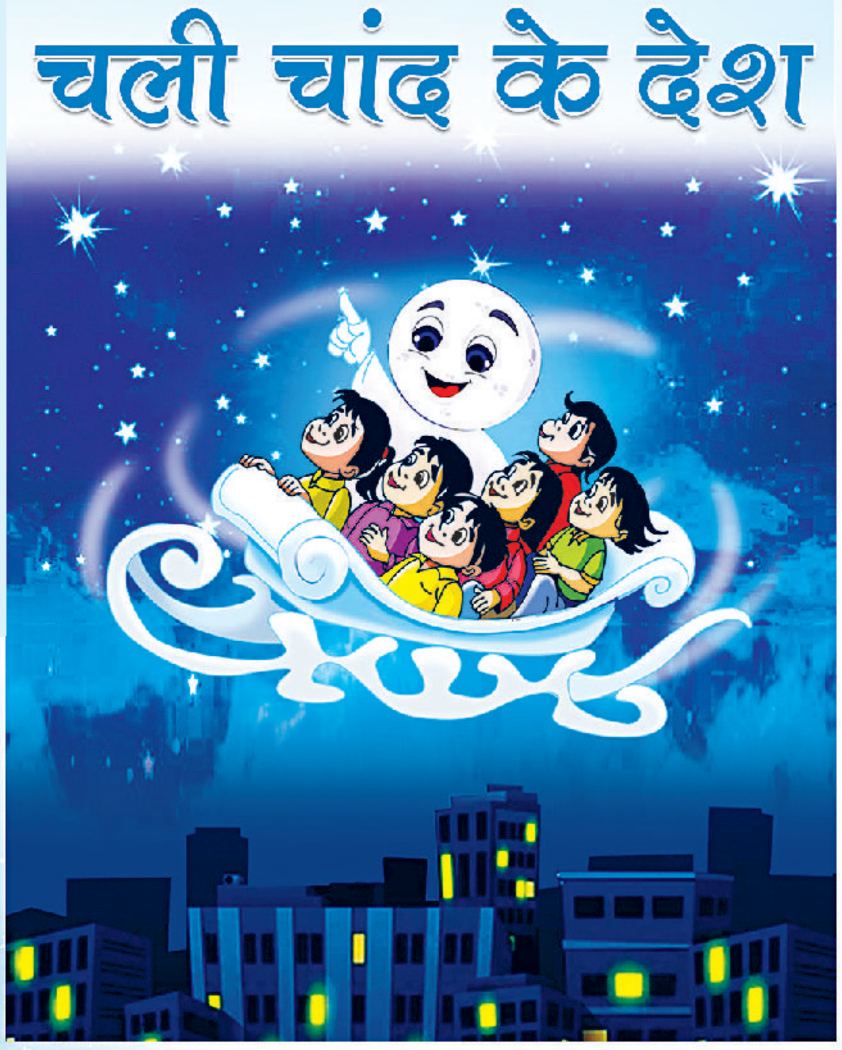

उस दिन चांदनी रात थी। गुड़िया अपने घर की छत पर बैठी थी। जोर-जोर से चंदा मामा का गीत गा रही थी, जो उसने आज ही अपनी सहेली चांदनी से सीखा था। वह बार-बार झूम- झूमकर गा उठती-

चंदा मामा दूर के,
खोए पकाए भूर के,
आप खाएं थाली में
गुड़िया को दें प्याली में
कितने मीठे, कितने प्यारे
लड्डू मोतीचूर के!

गुड़िया मजे में यह गीत गा रही थी। गाते-गाते उसने चांद की ओर देखा। चांद खिलखिलाकर हंस रहा था। तभी उसने खुद भी एक प्यारा सा गीत बना लिया और मीठे सुर में गाने लगी-

जल्दी आओ चंदा मामा,
पहन के आओ नया पाजामा!
उजला-उजला नया पाजामा,
पहन के दिखलाओ जी ड्रामा,
जिसमें लंबे से हों लामा,
जिनसे डर के भागे गामा।
भागे गामा, हो हंगामा,
दिखलाओ जी ऐसा ड्रामा...!

अभी वह इस कविता को आगे बढ़ाने के लिए अगली पंक्ति सोच ही रही थी, तभी एक जादू-मंतर सा हुआ। चारों ओर चांदी जैसा खूब घना प्रकाश फैल गया। एकाएक गुड़िया को सुनाई दिया, 'हां, गुड़िया बोलो, मुझे क्यों बुलाया है?'

गुड़िया हैरान। उसकी आंखें चकाचौंध हो रही थीं। उसने अचकचाकर सामने की ओर देखा, 'अरे लो! चंदा मामा तो सामने खड़े हैं! और सचमुच उन्होंने जगमग-जगमग करता सफेद पाजामा पहन रखा है। शुभ्र चांदनी का पाजामा!'

फिर भी गुड़िया ने अपने मन की तसल्ली के लिए पूछा, 'आप...आप चंदा मामा हैं न?'

'हां भई, कोई शक है क्या?' चंदा मामा खुलकर हंसे। फिर बोले, 'तुम लड्डू मोतीचूर के वाला गाना गा रही थीं। खाने हैं तो चलो मेरे साथ।...वहां चाहे जितने मोतीचूर के लड्डू खाना।'

गुड़िया आंखें पटपटाकर बोली, 'ओफ्फोह! चलना तो चाहती हूं, पर अभी मेरी सहेलियां और दोस्त आने वाले हैं। आज हमने कविता-कहानी सुनाने का कार्यक्रम रखा है न! इसी के लिए तो मैं गीत गाकर तैयारी कर रही थी।...और लो जी, यहां तो एक नया ही चक्कर चल पड़ा। मेरे दोस्तों को पता चलेगा तो हक्के-बक्के रह जाएंगे। बल्कि चंदा मामा, उन्हें तो यकीन ही नहीं आएगा कि आप यहां आ गए, मुझसे मिलने।'

'तो चलो, ठीक है। हम भी इंतजार कर लेते हैं तुम्हारे दोस्तों का..।' चंदा मामा ने कहा और गुड़िया के पास वहीं बैठ गए। गुड़िया को प्यारी सी कहानी सुनाने लगे- आसमान की कहानी, चांद-तारों और सूरज की कहानी।

थोड़ी ही देर में गुड़िया की सहेलियां और दोस्त भी आ गए। चंदा मामा को देखकर सब हैरान! गुड़िया ने जब चंदा मामा के बारे में बताया, तो सब उनसे हंस-हंसकर बात करने लगे। आसमान के देश के बारे में बहुत सी बातें पूछने लगे।

चंदा मामा ने कहा, 'चलो, तुम्हें दिखला ही देता हूं अपना देश। और तुम्हें जो कविता-कहानियां सुनानी हैं, उन्हें रास्ते में सुनाते चलना।'

'वाह! वाह! तब तो खूब मजा आएगा।' गुड़िया ने कहा।

'लेकिन चंदा मामा, हम जाएंगे कैसे? आपका देश तो बहुत दूर है न!' नटखट मिंकी ने पूछा।

'हां, पर मुश्किल क्या है। हम तो किरणों के उड़न-खटोले पर जाएंगे न।' चंदा मामा बोले।

'किरणों का उड़न-खटोला!' गुड़िया और उसकी सहेलियों के मुंह अचरज से खुले रह गए, 'सच..!'

'हां!' चंदा मामा ने कहा और उनके इशारा करते ही चांदी की किरणों का चम-चम करता उड़न-खटोला आसमान से जमीन पर आ गया।

सब बच्चे धम-धम-धम करते उसमें बैठे और उड़न-खटोला चल पड़ा। रास्ते में बच्चों ने एक से एक बढ़िया कविताएं-कहानियां सुनानी शुरू कर दीं। कुछ बच्चों ने मजेदार चुटकुले भी सुनाए। हंसते-हंसते चंदा मामा लोट-पोट हो गए।

फिर उड़न-खटोला पहुंचा चांद के देश में। वहां का तो खैर कहना ही क्या था। जिस चीज को देखो, वही चांदी की तरह चम-चम, चम-चम करती हुई। चांदी के कुर्सी-मेज। चांदी का पलंग। चांदी का फर्श। चांदी के फूल, गमले और पर्दे भी।

चंदा मामा ने बच्चों को तारों से मिलवाया, आसमान के राजा सूरज से भी उनकी मुलाकात करवाई, जो बच्चों के सामने सारी तपन छोड़कर ठंडे-शीतल थे। बच्चों ने आसमान में खूब सैर-सपाटा किया। फिर चांद का उड़न-खटोला धरती की ओर चल पड़ा।

बच्चों ने घर आकर अपने-अपने मम्मी-पापा को इस बारे में बताया, तो सब हैरान रह गए। गुड़िया ने हिंदी की मैडम को बताया तो उन्होंने कहा, 'गुड़िया, इस पर एक कहानी लिखो, 'गुड़िया चली चांद के देश।' उसे मैं स्कूल की पत्रिका में छापूंगी। साथ ही किसी बढ़िया आर्टिस्ट से उसका चित्र भी बनवाएंगे।'

गुड़िया ने यह कहानी लिखी तो बच्चों ने खुशी से झूम-झूमकर पढ़ी। अब सब बच्चे यही कहते हैं, गुड़िया अबकी चंदा मामा आएं तो हमसे भी मिलवाना। खुद गुड़िया को इंतजार है- देखें, अब कब आते हैं उसके चंदा मामा? आखिर उन्हें भी तो जरूर नन्ही-मुन्नी सी प्यारी गुड़िया की याद आती होगी ना! *

नन्ही कहानी

हार की चोरी

राजा का पुश्तैनी हार चोरी हो गया। राजा ने अपने मंत्री से सलाह की। मंत्री ने कुछ ऐसी तरकीब निकाली कि बड़ी ही आसानी से हार-चोर पकड़ा गया। मंत्री की क्या थी तरकीब?

एक राजा के महल से उसका पुश्तैनी हार चोरी हो गया। हार जिस जगह से चोरी हुआ था, वहां तक किसी बाहरी आदमी का पहुंच पाना असंभव था। इससे स्पष्ट था कि हार महल के अंदर रहने वालों में से ही किसी ने चुराया है। हार-चोर का पता लगाने के लिए राजा ने अपने मंत्री से सलाह की।

अगले दिन मंत्री एक पुतला लेकर आया। उसने आते ही घोषणा की, 'यह एक मंत्र सिद्ध पुतला है। महल के हर व्यक्ति को इस पुतले के मुंह में अंगुली डालनी है। जिसने हार चुराया है, पुतला उसकी अंगुली पकड़ लेगा।'

मंत्री ने वह पुतला महल के एक कक्ष में रखवा दिया, स्वयं दरवाजे के पास प्रसाद के लड्डू लेकर खड़ा हो गया। सब लोग कक्ष में जाते, पुतले के मुंह में अंगुली डालकर वापस आ जाते। मंत्री सबको हाथ में प्रसाद देकर विदा कर रहा था। इसी क्रम में जब एक दासी कमरे से निकली और जैसे ही उसने प्रसाद लेने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया, मंत्री ने उसका हाथ पकड़ लिया और राजा से कहा, 'इसी ने हार चुराया है।'

दासी ने पहले तो ना-नुकुर किया, लेकिन जब राजा ने सख्ती दिखाई तो उसने मान लिया कि हार की चोरी उसी ने की है।

राजा ने मंत्री से पूछा, 'मंत्री जी, आपने कैसे पता लगाया कि हार की चोरी इसी दासी ने की है?'

मंत्री ने बताया, 'महाराज, मैंने पुतले के मुंह में रंग लगा दिया था, जो भी उसके मुंह में अंगुली डाल रहा था, उसकी अंगुली में रंग लग रहा था। लेकिन दासी की अंगुली में कोई रंग नहीं लगा था, क्योंकि उसने पुतले के मुंह में अंगुली डाली ही नहीं। उसे डर था, पुतला उसकी अंगुली पकड़ लेगा, क्योंकि हार की चोरी उसी ने की थी।'

सार: चोर का मन बहुत कमजोर होता है। *

प्रस्तुति: एफएमएन

कविता / डॉ. मीरा सिंह 'मीरा'

चिड़िया सच बतलाना

चिड़िया, चिड़िया, सच बतलाना,
नीड़ बनाना कैसे जाना?
चुग-चुग दाने चुनकर लाती,
क्या ना थकती, सच बतलाना?
क्या तू भी कुछ नियम तोड़ती,
क्या भरती कोई जुर्माना?
पंख सुनहरे इतने प्यारे,
कहां से पाया, यह बतलाना?
क्या जाती तू नित विद्यालय,
कौन सिखाता तुझको गाना?
जब ऊंचे नभ में उड़ती है,
कैसा लगता, सच बतलाना?

कविता / शिवचरण चौहान

फागुन के फुर्तीले दिन

फागुन के फुर्तीले दिन,
प्यारे रंग-रंगीले दिन।
सरसों के खेतों में फूले,
खुशबू भीने पीले दिन।
धूप शहद-सी चटा रहे,
सबको खूब सजीले दिन।
कोपल-कोपल में लटके,
मोती से चमकीले दिन।
नाच रहे सब मस्ती में,
छम-छम छैल-छबीले दिन।

हंसगुल्ले

चिंटू: मुझे आंख बंद करने के बाद भी दिखाई देता है।
मिंटू: अच्छा, क्या दिखाई देता है?
चिंटू: अंधेरा।

-साकेत, बिलासपुर

नन्ही रिया (अपनी दीदी से): दीदी, मुझे लिखना आ गया है।
दीदी: अच्छा! कुछ लिखकर दिखाओ तो।
रिया ने नोटबुक पर कुछ टेढ़ी-मेढ़ी लाइंस खींच दी।
दीदी: अरे! ये क्या लिखा है तुमने?
रिया: दीदी, अभी मैंने सिर्फ लिखना सीखा है, पढ़ना नहीं सीखा।

-प्रज्ञा, रायपुर

सोनू: तुम हमेशा अपनी जेब में नीबू लेकर क्यों चलते हो?
मोनू: ताकि अगर रास्ते में कोई दुश्मन मिल गया तो उसके दांत खट्टे कर सकूं।

-श्रेया, दुर्ग

जीके क्विज-193

1. हाल में ही पड़ोसी देश बांग्लादेश के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री का क्या नाम है?
2. विक्टोरिया मेमोरियल किस राज्य में स्थित है?
3. चार सौ ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले टेनिस खिलाड़ी कौन बने हैं?
4. भारत में किसी राज्य की पहली महिला राज्यपाल कौन बनी थीं?
5. भारत में पहली रेलगाड़ी किस वर्ष चली थी?
6. हाल में भारत की यात्रा पर आए इमैनुअल मैंक्रॉ किस देश के राष्ट्रपति हैं?
7. 'ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया' के नाम से किसे जाना जाता है?
8. सल्फ्यूरिक अम्ल का रासायनिक सूत्र क्या होता है?
9. कौन-सा जीवाणु (बैक्टीरिया) दूध को दही में बदल देता है?
10. किस पुरस्कार को 'एशिया का नोबेल पुरस्कार' कहा जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-193 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-192 का उत्तर: 1.इंग्लैंड, 2.जे.के. रोलिंग, 3.अश्विनी वैष्णव, 4.स्वामी विवेकानंद, 5.स्टेपीज, 6.आइजैक न्यूटन, 7.सैम मानेकशॉ, 8.मंगल, 9.सोडियम क्लोराइड, 10.हेनरी कैवेंडिस

जीके क्विज-192 का सही उत्तर देने वाले: अमित-सक्ती, श्रेया-दामोह, कबीर-हिसार, अनहद-बिलासपुर, अजय-फतेहाबाद, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, शुभम-झज्जर, ज्योति-बैकुंठपुर, रमेश-बैकुंठपुर, सुयश-रायपुर, अर्णव-बिलासपुर, कुसुम-भिलाई, तमन्ना-कोरबा, मनीष-रोहतक, विकास-महासमुंद

नयन दिल्ली के एक होटल में रुकने आया तो उसे अपने रूम में लॉक की जगह एक कार्ड मिला, जिसको लगाने से रूम का डोर लॉक होता, ओपन होता। नयन ने पापा से जब इसके बारे में पूछा तो उन्होंने इसकी पूरी तकनीक उसे समझायी। बच्चो, तुम भी जानो।

नयन की होटल यात्रा

नॉलेज स्टोरी
आलोक कुमार दुबे

नयन अपनी फैमिली के साथ एक शादी में शरीक होने के लिए दिल्ली आया। स्टे के लिए वह एक होटल में गया। साथ में उसके चाचा की भी फैमिली थी। रिसेप्शन पर रजिस्टर में डिटेल भरने के बाद सभी को कमरों का नंबर बताकर उन्हें वहां पहुंचाने को कहा गया। होटल का जो कर्मचारी कमरे तक सामान लेकर आया था, उसने एक प्लास्टिक के कार्ड को कमरे के डोर पर टच किया और फिर हाथ से हैंडल को घुमाकर दरवाजा खोल दिया, फिर उस कार्ड को अंदर दरवाजे के पास एक कार्ड पॉकेट में डाल दिया। तुरंत ही कमरे की बत्तियां जल गईं। उसने बताया कि जब आप बाहर जाएं तो कार्ड निकाल कर साथ में जरूर ले जाएं, नहीं तो डोर अंदर से बंद हो जाएगा, आपको परेशानी होगी। नयन यह सब बहुत ध्यान से देख-सुन रहा था।

मम्मी-पापा जब कमरे में सामान रख रहे थे, नयन ने कमरे का दरवाजा खोला और यह जांचा कि दरवाजा अंदर से खुल रहा है या नहीं? वह बाहर निकल आया और दरवाजा बंद होने पर उसे बाहर से हैंडल घुमाकर खोलने लगा, लेकिन वह नहीं खुल रहा था। दरवाजे के बाहर लगी घंटी के स्विच तक उसका हाथ नहीं पहुंच रहा था। तब-तक बगल के कमरे से निकले चाचा की नजर उस पर पड़ी, उन्होंने पूछा, 'अरे! तुम बाहर क्या कर रहे हो?' चाचा ने घंटी बजाकर दरवाजा खुलवाया और उसे समझाया, 'अपने कमरे का नंबर याद कर लो और बिना बताए बाहर न निकलना। होटल के बाहर तो बिल्कुल भी नहीं। नहीं तो शादी में आने का सारा मजा किरकिरा हो जाएगा।'

कुछ देर बाद सभी लोग नहा-धो कर जब तैयार हो गए तो एक बड़े से कमरे में सभी लोगों को नाश्ते के लिए जाना था। पापा ने कमरे से बाहर निकलने के पहले कार्ड निकाल कर जेब में डाल लिया और दरवाजा बंद कर दिया। वापस आने पर

कार्ड को दरवाजे के हैंडल के पास टच किया और हैंडल घुमा कर दरवाजा खोल लिया। जब नयन से रहा नहीं गया तो उसने पूछा, 'पापा, अपने घर पर तो हम लोग चाबी से दरवाजा खोलते और बंद करते हैं, इस होटल में चाबी की जगह इस कार्ड से दरवाजा खुलता है। यह कैसे होता है, मेरी समझ में नहीं आ रहा है?'

'अरे भाई, इस होटल के दरवाजे पर आर.एफ.आई.डी. तकनीक का ताला लगा हुआ है। जब इस कार्ड को हम पास में लाते हैं तो ताले का रीडर उसे रीड कर लेता है या पहचान लेता है और हैंडल घूमने लगता है, दरवाजा खुल जाता है।' पापा ने नयन को बताया।

'तो क्या अपने कमरे के कार्ड से चाचू के कमरे को खोला जाए तो वह नहीं खुलेगा? ' नयन ने दूसरा प्रश्न किया।

'नहीं, हर कार्ड पर कमरे की संख्या अंकित है। उस कमरे के ताले की रेडियो तरंग (फ्रीक्वेंसी) कार्ड से मिलान होना जरूरी है।' पापा ने जानकारी दी। 'अच्छा अगर अपना कार्ड कहीं खो जाए या हम लोग इसे लेकर घर चले जाएं तो होटल वाले क्या करेंगे?' नयन ने अगला सवाल किया।

'हां भाई, होटल वालों को अकसर ऐसे ग्राहको से पाला पड़ता रहता है। दूसरी चाबी बनाने का खर्च और मेहनत ज्यादा पड़ती है, जबकि एक कार्ड की कीमत बहुत कम होती है। तुमको बता दूं कि यह कार्ड सिर्फ उस समय तक काम करेगा, जब तक का पैसा होटल वालों के पास जमा है, उसके बाद इस कार्ड से भी दरवाजा नहीं खुलेगा और रिसेप्शन काउंटर पर जाकर इसे फिर रिचार्ज कराना पड़ेगा।' 'लेकिन पापा जब हम लोग नाश्ता करने जा रहे थे तो होटल के वर्कर के पास एक ही कार्ड था। वह उस कार्ड से कई कमरे खोल कर उनमें पानी की बोतल आदि सामान रख रहा था, वह कैसे?' नयन ने पूछा। 'यही तो इस तरह के ताले की विशेषता है। होटल के कर्मचारी को साफ-सफाई या अन्य कार्य के लिए हर कमरे की अलग-अलग चाबी नहीं रखनी पड़ती। बस एक मास्टर कार्ड से ही सब कमरे खुल सकते हैं।' पापा ने बताया।

'पापा, मुझे इसीलिए तो आप के साथ घूमने में मजा आता है, क्योंकि नई-नई बातें जानने को मिलती हैं।' यह कहकर नयन ने हंसते हुए ताली बजाई और कमरे से बाहर निकल गया। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

देश के गर्व भारत रत्न

बच्चो, तुम यह तो जानते ही होगे कि अपने देश भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान का नाम भारत रत्न है। आजादी के बाद वर्ष 1954 से अब तक 53 विभूतियों को यह सम्मान प्रदान किया जा चुका है। भारत रत्न देने की शुरुआत कैसे हुई? इसमें क्या प्रदान किया जाता है? और इसे प्राप्त करने वाली विभूतियों के बारे में विस्तार से पुस्तक 'देश के अनमोल रत्नः भारत रत्न' में बताया गया है। इसे प्रसिद्ध बाल साहित्यकार समीर गांगुली ने लिखा है। यहां तुम देश के पहले उपराष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन, भौतिक वैज्ञानिक डॉक्टर सी.वी. रमन, पूर्व राष्ट्रपति और वैज्ञानिक ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, गायिका लता मंगेशकर, शहनाई वादक बिस्मिल्लाह खां जैसी अनेक हस्तियों समेत विदेशी मूल की भी दो महान विभूतियों मदर टेरेसा और नेल्सन मंडेला के बारे में भी जान सकते हो। इस किताब को पढ़कर तुम जान सकोगे कि जिन हस्तियों को यह सम्मान प्रदान किया गया उन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में कितना अद्वितीय योगदान देकर भारत देश का नाम पूरे विश्व में विख्यात किया। निश्चित ही इस किताब को पढ़कर तुम भी इनकी तरह अपने देश और समाज के लिए बड़े काम करने के लिए प्रेरित होगे। *

किताब : देश के अनमोल रत्न : भारत रत्न,
लेखक : समीर गांगुली, **मूल्य :** 300 रुपए,
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

रंग भरो-196

रंग भरो-196 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आशना, जांजगीर

दिशांत, महेंद्रगढ़

मीनाक्षी, सक्ती

रेयांश, बिलासपुर

सौम्य, कोरबा

वैश्निका, रायपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

माही-महासमुंद, प्रियंका-रायपुर, संचिता-भोपाल, कोमल-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-बिलासपुर, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, परी-हिसार, कविता-बालोद, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, प्रिया-करनाल, रचना-कोरबा

रंग भरो 197

बच्चो, यहां अपना होम वर्क पूरा करते हुए चिंकी और मिंकी का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

किसान उठाएं पीएम फसल बीमा योजना का लाभ

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन पंचायत भवन के सभागार में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के तत्वावधान में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विभाग के उप निदेशक डॉ विनोद फोगाट ने की। उन्होंने किसानों को उनकी फसल बीमा योजना के दस्तावेज भेंट किए। कार्यक्रम में डॉ. फोगाट ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। किसानों को इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। इस योजना के तहत फसल खराब होने पर किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जाती है, जिससे उनकी आय सुरक्षित रहती है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक इस योजना का लाभ उठाएं और पंजीकरण कराएं। उपस्थित किसानों ने सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि फसल बीमा योजना से उन्हें कठिन समय में सहारा मिलेगा। किसानों को कृषि यंत्र, फसल अवशेष प्रबंधन, मेरी फसल-मेरा ब्यौरा सहित किसान कल्याण की अनेक योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। किसानों को योजना के लाभ, बीमा क्लेम प्रक्रिया और प्राकृतिक आपदा की स्थिति में मिलने वाली सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उप तहसीलदार से तहसील परिसर में सफाई करवाने की मांग

तहसील कार्यालय में शौचालयों का बुरा हाल, प्रयोग लायक नहीं

- तहसील कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को लेकर क्षेत्र के लोगों में भारी रोष
- पीने के पानी की व्यवस्था भी सही नहीं है। टंकियों की साफ सफाई की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

तहसील बवानी खेड़ा में सार्वजनिक शौचालयों की हालत खस्ता है, वही बाहर की साफ सफाई का बुरा हाल है। तहसील में हजारों लोग जिसमें महिलाएं भी शामिल होती है, अपना कार्य करवाने के लिए आती है। किसी को यदि शौचालय जाना हो तो वह कैसे जाये।

शौचालय के नल व टूटी खराब पानी के रिसाव के कारण नलों से पानी निकल कर शौचालय पानी से अटा पड़ा रहता है , तहसील में हैरत की बात कि तहसीलदार जहां बैठता है तथा नीचे तल पर खंजाना अधिकारी बैठता है उनके ऊपर - नीचे व्यक्तिगत शौचालय है । बाहर कार्य कर रहे वकील वसीकानवीस तथा टाईपिस्ट तथा उनके पास या तहसील प्रांगन में आये आमजन की तकलीफ से उनको कोई लेना नही है ,पुरुष खुले में जाये औरतों को उनके हाल पर छोड़ देते है। अधिकारी व कर्मचारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे है। तहसील कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को लेकर क्षेत्र के लोगों में भारी रोष है। तहसील परिसर बार एसोसिएशन एवं हरियाणा जागृति मोर्चा के संयोजक रामकिशन काजल एडवोकेट राजेश सिंधू एडवोकेट अमीत दहिया एडवोकेट सुमन दहिया एडवोकेट ,संजय डूमड़ा ,महेन्द्र काजल, नम्बरदार एसोसिएशन व क्षेत्र के सामाजिक सगठनों का कहना है कि तहसील बवानी खेड़ा रामभरोसे चल रही है । सरकार इस ओर ध्यान ना दे रही है क्योंकि लम्बे समय से तहसील में तहसीलदार स्थाई तौर से ना बैठना जिसके कारण जनता के कार्य पर सीधा असर पड़ना है वही लम्बे समय से क्षेत्र की मांग तहसील को उपमण्डल बनाने की रही है वो भी सरकार ने घोषणा करके पूरी ना की ,शौचालयों की हालत बहुत खराब है बाहरी परिसर प्रांगण की हालात ओर भी खराब है। वहीं पीने के पानी की व्यवस्था भी सही नहीं है। टंकियों की साफ सफाई की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। तहसील परिसर में जंगली घास उगी हुई है। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। तहसील में लाखों रूपये का काम हर रोज किया जाता है। परंतु सरकार जनता की सुविधाओं की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे। जब रेवेन्यू विभाग पैसा लोगों से कमा रहा है, तो उनको जनता की सुविधा का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने सरकार व प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द शौचालयों की व्यवस्था ठीक करवाये जाये।

भिवानी। तहसील परिसर में उगी झाड़ियों का दृश्य तथा सफाई की मांग को लेकर सौंपते ज्ञापन। फोटो : हरिभूमि

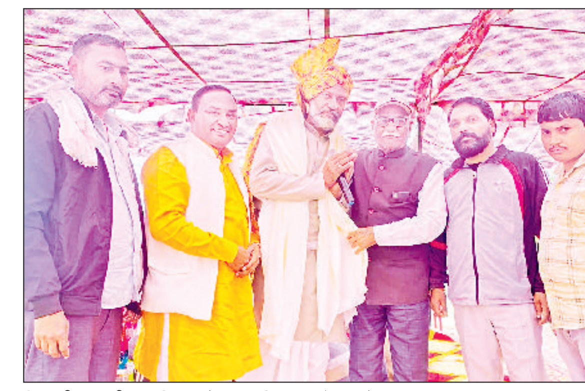

भिवानी। सांगी दानसिंह को सम्मानित करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन ने सांगी दानसिंह को किया सम्मानित

- दिल्ली प्रमुख संस्कृति गौरव अवार्डी कप्तान सिंह व संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक टीम के साथ बापोड़ा पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के दिल्ली प्रमुख संस्कृति गौरव अवार्डी कप्तान सिंह बिसानिया व संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक के सान्निध्य में अपनी टीम के साथ गांव बापोड़ा गोशाला में पहुंचे। इस अवसर पर उत्तर भारत के प्रसिद्ध सांगी बाबू दानसिंह चौहान को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान संगठन के मंच संचालक धर्मवीर नागर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस दौरान उपस्थित कलाकारों ने चंद्र बादी द्वारा रचित सत्यवान सावित्री सांग की मनमोहक प्रस्तुति दी। कप्तान सिंह बिसानिया ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को हमारी संस्कृति से रूबरू करवाना तथा उनके अंदर अच्छे संस्कार पैदा करना है। यह केवल सांग, पौराणिक कथाओं, धार्मिक व सामूहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों से संभव है। संगठन के मंच संचालक धर्मवीर नागर ने कहा कि म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक समय-समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर भाग लेते हैं तथा युवाओं को अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक करते हैं। संस्कृति संस्कारों और सुविचारों का एक गुलदस्ता है जो अपनी भिन्नि-भिन्नि महक से हमारे राष्ट्र को एक नया आयाम देती है।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर लक्ष्मण भक्त बिसान, अतुल कुमार बालंद, सुरेन्द्र कुमार बिसान, युशुफ खान, मास्टर राजू कंझावला, कर्ण शर्मा, राजेश तुफान व सोनू खरक पूनिया आदि उपस्थित रहे।

देश की रक्षा एवं सम्मान के लिए किए बलिदान को किया नमन

चरखी दादरी। महान राष्ट्र नायक छत्रपति शिवाजी को नमन करते शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

चरखी दादरी। परसराम हेतराम स्कूल में महान राष्ट्रनायक छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और देशभक्ति के भाव के साथ मनाई। कार्यक्रम का शुभारंभ शिवाजी महाराज के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं द्वीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भाषण, भावपूर्ण कविता-पाठ, देशभक्ति गीत तथा प्रेरक लघु नाटिका की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

विद्यार्थियों ने शिवाजी महाराज के साहस, नेतृत्व क्षमता और अडिग संकल्प को अपने जीवन में अपनाने का दृढ़ संकल्प लिया। विद्यालय प्राचार्य ओपी तिवारी ने कहा कि शिवाजी महाराज का जीवन त्याग, पराक्रम और उच्च आदर्शों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने विपरीत परिस्थितियों में भी साहस और सूझबूझ से राष्ट्र की रक्षा की।

उनका जीवन हम सभी को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने तथा सत्य और स्वाभिमान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने राष्ट्र सेवा और नैतिक मूल्यों के पालन का संकल्प लिया।

16 माह बाद भी शुरू नहीं हुआ छात्रावास का कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

पूर्व जिला पार्षद ईश्वर मान ने डीएससी समाज के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधा उपलब्ध करवाने तथा गांव मुंढाल खुर्द में पांच साल से अधूरा पड़ा महर्षि वाल्मीकि आश्रम के निर्माण कार्य को पूरा करने की मांग को लेकर समाधान शिविर में उपायुक्त को पत्र सौंपा। मान ने ज्ञापन में बताया कि डीएससी समाज के विद्यार्थियों के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार विशेष छात्रावास अनुदान और शैक्षणिक सहायता प्रदान करती है। इन छात्रावासों में गरीब परिवारों के विद्यार्थी को निःशुल्क या रियायती दरों पर आवास, भोजन और अध्ययन की सुविधाएं मिलती हैं। भिवानी जिले व शहर के डीएससी समाज के बच्चे कालेजों में पढ़ते हैं, लेकिन उनके ठहरने की व्यवस्था नहीं है।

इस बात को लेकर डीएससी समाज बड़ा अफसोष जाहिर कर रहा है, इस बात को ध्यान में रखते हुए डीएससी समाज ने 21 नवंबर 2024 को कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी का अभिनंदन समारोह आयोजित किया था। डीएससी समाज के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने मंत्री कृष्ण कुमार बेदी व विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि का पगड़ी बांधकर स्वागत किया और उसी समय स्टेज के माध्यम से कैबिनेट मंत्री बेदी ने डीएससी समाज के विद्यार्थियों के लिए वातानुकूलित छात्रावास बनवाने की घोषणा की थी, जिससे सवा साल हो चुका है, लेकिन अब तक कुछ नहीं हो पाया हैं।

भिवानी। मुंढाल खुर्द में अधूरी पड़ी निर्माणाधीन धानक समाज चौपाल को दिखाते पूर्व जिला पार्षद ईश्वर मान।

- मंत्री बेदी ने 21 नवंबर 2024 को की थी छात्रावास की घोषणा : पूर्व जिला पार्षद मान

इग्नू में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

चरखी दादरी। इग्नू द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026 के लिए बैचलर ऑफ एजुकेशन कार्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। क्षेत्रीय निदेशक इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल डॉ. धर्मपाल ने बताया कि अभ्यर्थियों को केवल ऑनलाइन माध्यम से ही पंजीकरण करना होगा। किसी भी प्रकार के हार्ड कॉपी आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे। कार्यक्रम का नाम बैचलर ऑफ एजुकेशन है तथा प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण केवल ऑनलाइन, बी.एड. प्रवेश पोर्टल के माध्यम से होगा।

ऑन लाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 27 फरवरी 2026 है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को पहले पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य है, तत्पश्चात वे ऑनलाइन आवेदन/प्रवेश परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे। ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन के लिए आधिकारिक पोर्टल का प्रयोग करना होगा। बी.एड. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी के पास मान्यता प्राप्त विवि से स्नातक/ स्नातकोत्तर डिग्री होना आवश्यक है।

चिकित्सकों ने की दिव्यांगजनों की स्वास्थ्य जांच, दिया उचित परामर्श

जिला न्यायालय में 14 मार्च को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

- जनसेवा संस्थान परिसर में दिव्यांगजनों के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चरखी दादरी के तत्वावधान में जनसेवा संस्थान परिसर में दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं प्राधिकरण की चेयरपर्सन न्यायाधीश गगनदीप कौर सिंह तथा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संजीव काजला के दिशा निर्देशन में चिकित्सा शिविर में लगाया। शिविर में नागरिक अस्पताल के चिकित्सक प्रवेश कुमार ने उपस्थित दिव्यांगजनों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श प्रदान किया तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया। प्राधिकरण के अधिकार रक्षक रोहताश शर्मा ने चिकित्सा दल का आभार जताया। डॉ. प्रवेश कुमार ने फाल्गुन मास के दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। तले-भुने, अधिक मसालेदार व अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थों से परहेज किया जाए। आहार में फल, खिचड़ी, दाल, हरी सब्जियां एवं तवे की रोटियां शामिल की जाएं तथा रात्रि में हल्का भोजन और दूध देना लाभकारी रहेगा। उन्होंने नियमित योगाभ्यास व हल्की सैर को भी स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया।

चरखी दादरी। शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक।

सहमति से सुलझाए जाते हैं मामले

रोहताश ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 14 मार्च को जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर चरखी दादरी में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत के माध्यम से न्यायालयों में लंबित मामलों का आपसी समझौते के आधार पर त्वरित निस्तारण किया जाएगा। लोक अदालत में बैंक ऋण, मोटर वाहन अधिनियम, एनआईएक्ट, फौजदारी, राजस्व तथा वैवाहिक विवादों सहित ऐसे मामलों की सुनवाई होगी, जिन्हें आपसी सहमति से सुलझाया जा सकता है।

विद्यार्थियों को जीवन में पेड़-पौधों के महत्व से करवाया अवगत

चरखी दादरी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हडौदी में पेड़ बाबा जगबीर चांदनी की अगुवाई में पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इको इंचार्ज ज्योति का कार्यक्रम में विशेष योगदान रहा। प्राचार्या विजेता फौगाट ने विद्यार्थियों को हमारे जीवन में पेड़ पौधों के महत्व से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि वृक्षों से हमे शुद्ध आक्सीजन व अन्य आवश्यक पदार्थ मिलते है। एनएसएस अधिकारी सुरेंद्र जाखड ने बच्चों को अधिक से अधिक वृक्ष संरक्षण के लिए प्रेरित किया। इस दौरान राजेश सांगवान, नरेश यादव, सज्जन, अनामिका, बबीता, मिंटू, संतोष, महेंद्र, प्रदीप शर्मा, सुचित्रा, सुनिता, राजेंद्र मेचू, उदय, विक्रम व हनुमंत सरोहा आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री राहत कोष से 15 दिन में मिलेगी इलाज के लिए आर्थिक सहायता: उपायुक्त

चरखी दादरी। सरकार द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलने वाली आर्थिक सहायता की प्रक्रिया को सरल कर दिया गया है। इलाज के लिए अब केवल 15 दिन में आर्थिक सहायता मिलेगी। इसके लिए सरल पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। उपायुक्त डा मुनीश नागपाल ने कहा है कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के दृष्टिगत मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत चिकित्सा आधार पर वित्तीय सहायता प्राप्त करने वालों को सरल पोर्टल पर सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलने वाली आर्थिक सहायता की राशि सीधे आवेदक या लाभार्थी के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी। आवेदक अपनी पीपीपी यानी परिवार पहचान पत्र आईडी के माध्यम से सरल पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए आवेदकों को अपने चिकित्सा बिल, ओपीडी बिल आदि जैसे अन्य संबंधित दस्तावेजों को अपलोड कर मुख्यमंत्री राहत कोष से चिकित्सा आधार पर वित्तीय सहायता के लिए आवेदन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री राहत कोष के अंतर्गत आर्थिक सहायता के लिए जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है।

सांवरिया प्रेम मंडल की खाटू श्रीश्याम पदयात्रा का भव्य स्वागत

भिवानी। सांवरिया प्रेम मंडल के तत्वावधान में धाम श्रीखाटू श्याम मंदिर के लिए विशाल निशान पदयात्रा का शुभारंभ किया। यह जानकारी देते हुए हर्ष गुप्ता ने बताया कि भिवानी से पदयात्रा खाटू श्रीश्याम धाम में पहुंचकर संपन्न होगी। पदयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए भक्ति एवं श्रद्धा से ओतप्रोत अनेक धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। यात्रा में भव्य निशान दर्शन, अखंड ज्योति दर्शन, भव्य श्याम दरबार, भजन अमृत वर्षा, प्रसाद वितरण, इत्र वर्षा, आतिशबाजी, रंग-गुलाल की होली, मोर छड़ी का झाड़ा एवं पुष्प वर्षा जैसे विशेष आयोजन आकर्षण का केंद्र रहेंगे। श्रद्धालु पूरे मार्ग में जय श्री श्याम के जयकारों के साथ भक्ति रस में सराबोर रहेंगे। गुप्ता ने बताया कि खाटू श्रीश्याम धाम यात्रा के स्थानीय गौशाला मार्केट स्थित बूट हाउस पर स्वागत किया। इस अवसर पर मंगतराम अग्रवाल, मोहित गुप्ता, नवीन गुप्ता, प्रीतम गुप्ता व योगेश गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

लड़कियों की कुश्ती आवासीय खेल अकादमी के लिए 25 फरवरी को होंगे ट्रायल

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ मुनीश नागपाल ने बताया कि रोहतक के स्थानीय सर छोटूराम स्टेडियम में कुश्ती खेल (लड़कियां) की आवासीय खेल अकादमी संचालित की जा रही है। इस अकादमी में 12 से 19 वर्ष आयुवर्ग की बालिका खिलाडियों का चयन ट्रायल के आधार पर किया जाएगा, जिसके लिए 25 फरवरी को प्रात 9 बजे सर छोटूराम स्टेडियम में ट्रायल लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कुश्ती, आवासीय खेल अकादमी में मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक अथवा प्रतिभागिता करने वाली तथा राज्य एवं जिला स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त करने वाली खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। उन्होंने इच्छुक बालिका खिलाडियों का आह्वान किया है कि वे निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर ट्रायल में भाग लें। खिलाड़ी अपने साथ निर्धारित दस्तावेज अनिवार्य रूप से लेकर आएं। इन दस्तावेजों में जन्म प्रमाण पत्र की मूल प्रति एवं फोटोप्रति, आधार कार्ड की मूल प्रति एवं फोटोप्रति, रिहायशी प्रमाण पत्र की मूल प्रति एवं फोटोप्रति, दो पासपोर्ट साइज फोटो तथा संबंधित शैक्षणिक संस्था का मूल प्रमाण पत्र आदि शामिल किए गए हैं।

मांग नर्सिंग ऑफिसर्स ने तबादला नीति को लेकर सरकार को दिए सुझाव

काम के घंटों के बाद भी आपातकालीन कॉल के लिए रहना पड़ता है तैयार

नर्सिंग एसोसिएशन विधायकों और मंत्रियों को सौंपेगी मांग पत्र

- नर्सिंग कैडर में 95 प्रतिशत महिलाएं ही हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

हरियाणा सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग में लागू की गई ऑनलाइन तबादला नीति को लेकर गुरुवार को नर्सिंग ऑफिसर्स ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की और उन्हें तबादला नीति को रद्द करने के लिए मांगपत्र सौंपा।

साथ ही नीति में बदलाव के लिए सुझाव भी दिए, क्योंकि नर्सिंग कैडर में 95 प्रतिशत महिलाएं ही हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों से आईं नर्सिंग ऑफिसर्स ने संत कबीर कुटीर में मुख्यमंत्री नायब सिंह से मुलाकात की और उन्हें मांगपत्र सौंपकर अनुरोध किया कि नर्सिंग विभाग के कर्मचारियों पर ऑनलाइन तबादला नीति के कार्यान्वयन पर रोक लगाई जाए, क्योंकि यह नीति नर्सिंग विभाग पर लागू की जाती है, तो इससे कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवारों को भी कठिनाई होगी। नर्सिंग कैडर में अधिकांश महिला कर्मचारी हैं, उनका स्थानांतरण होता है तो उन्हें और उनके परिवारों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा और महिला कर्मचारियों के लिए परिवार से दूर रहकर काम करना कठिन होगा।

भिवानी। चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री निवास संत कबीर कुटीर पर मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचीं विभिन्न जिलों से नर्सिंग अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

दूर स्टेशन पर जाना मुश्किल

साथ ही नर्सिंग कर्मचारी किसी स्टेशन पर लंबे समय से तैनात होते हैं तो वे इलाके से अच्छी तरह परिचित होते हैं, जिससे उन्हें नए स्थानांतरित कर्मचारी की तुलना में अपने कर्तव्यों का अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन करने में मदद मिलती है। कोविड-19 महामारी के दौरान नर्सिंग स्टाफ ने पूरी क्षमता से अपने कर्तव्यों का निर्वाह किया और महामारी के प्रसार को रोकने में उत्कृष्ट योगदान दिया। उन्होंने कहा कि नर्सिंग कार्डर का काम चौबीसों घंटे सातों दिन का होता है, उन्हें काम के घंटों के बाद भी किसी भी आपातकालीन कॉल के लिए तैयार रहना पड़ता है, जो महिला कर्मचारी के लिए दूर स्टेशन पर जाकर मुश्किल होगा। मांगपत्र में कहा गया कि नर्सिंग विभाग के कर्मचारियों के तबादलों से उनके बच्चों के भविष्य पर गहरा असर पड़ेगा, क्योंकि नर्सिंग कर्मचारियों के बच्चे उन स्कूलों या कॉलेजों में पढ़ रहे हैं, जो वर्तमान में उनकी तैनाती स्थान हैं, इसलिए नर्सिंग ऑफिसर्स की ऑनलाइन तबादला नीति रद्द की जाए।

अधिकारी समाधान शिविर की शिकायतों का यथासंभव करें निपटारा : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

अधिकारी समाधान शिविरों की लंबित शिकायतों का यथाशीघ्र उचित निपटारा करें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों पर आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों में एक ही छत के नीचे सभी विभागों से संबंधित शिकायतों का निपटारा किया जा रहा है।

एसडीएम एवं सीटीएम योगेश सैनी ने लघु सचिवालय स्थित सभागार में वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में लोगों की जनसमस्याओं की सुनवाई की। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना प्रशासन का प्रमुख कार्य है। उन्होंने समस्याओं को सुनते हुए निर्देश दिए कि संबंधित विभाग के अधिकारी समाधान शिविर में प्राप्त हो रही हर शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करें। समाधान शिविरों में प्राप्त हो रही शिकायतों के निपटारे की सरकार द्वारा निरंतर निगरानी की जा रही है तथा सप्ताह के हर शुक्रवार को इन शिकायतों के निपटारे की समीक्षा की जाती है।

चरखी दादरी। समाधान शिविर समस्या सुनते एसडीएम। फोटो : हरिभूमि

सूचना

मैं, ईश्वर पुत्र श्री रूघबीर पुत्र श्री कन्हीराम निवासी मन्ढोली कलां तहसील लोहारू जिला भिवानी, हरियाणा अपने हल्फ से ब्यान करता हूं कि मेरा बेटा नाबालिक है और उसके आधार कार्ड में नाम "सैकंड बेबी ऑफ ज्योति रानी" लिखा है ज्योति रानी मेरी पत्नी का नाम है, अब हमने अपने बेटे का नाम (Harshu) हर्षु रख लिया है। आगे से मेरे बेटे को हर्षु के नाम से जाना जाए।

खबर संक्षेप

शिविर में 178 लोगों की आंखें जांची

चरखी दादरी। शिक्षा भविष्य के निर्माण की सीढ़ी है, उच्च शिक्षित बनने व अधिक से अधिक पढ़ने के लिए विद्यार्थियों का स्वस्थ रहना आवश्यक है, नेत्रों के जरिए ही विद्यार्थी अपने विषय को देखता पढ़ता व समझता है। यह बात मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन युवा विंग अध्यक्ष अधिवक्ता अनिल बलवान साहू ने कही। साहू ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100वीं वर्षगांठ उपलक्ष्य में छिल्लर, कलियाणा, संतोकपुरा आदि में कैंपों लगाए। कैंपों में आई केयर, आई क्यू व गीताजंली अस्पताल की चिकित्सीय टीम स्वाति काजला, ममता चाहर, नरेंद्र, संतोष, मंजू व सहयोगियों ने 178 लोगों के नेत्र व सामान्य रोग जांचे, दवा वितरण किया।

अरावली पर्वत का खनन बना अभिशापः डोहकी

चरखी दादरी। सांगवान खाप के पूर्व प्रवक्ता राजेंद्र सिंह डोहकी ने कहा कि जिला चरखी दादरी के अरावली पर्वत का खनन शुरू होने से पहले ये श्रृंखला मनमोहक थी। आजकल इस पर्वतमाला का अंधाधुंध खनन हो रहा है, जिसे इस क्षेत्र में बदतर हालात बन गए।

विधानसभा में उठाएंगे मुद्दा और करवाएंगे समाधान : कपूर सिंह

272 पीआईडी रद्द करने के संबंध में विधायक व चेयरमैन से मिले पीड़ित

खसरा नंबर 637, 639 व 640 में करीबन 12 एकड़ भूमि की 272 नई व पुरानी प्रॉपर्टी आईडी (पीआईडी) को नपा द्वारा रद किया गया है।

बवानीखेड़ा। नगर पालिका कार्यालय में विधायक कपूर वाल्मीकि व नपा प्रधान सुंदर अत्री के समक्ष समस्या रखते हुए दुकानदार व रिहायशी इलाके के लोग। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा की नगर पालिका द्वारा शहर में खसरा नंबर 637, 639 व 640 में करीबन 12 एकड़ भूमि की 272 नई व पुरानी प्रॉपर्टी आईडी (पीआईडी) को रद्द कर वक्फ बोर्ड के नाम करने को लेकर क्षेत्रवासियों ने विधायक से मुलाकात की और समाधान की मांग की। क्षेत्रवासी उपरोक्त पीआईडी के संबंध में काफी चिंतित हैं और उनकी रातों की नींद उड़ी हुई हैं। क्षेत्रवासियों ने विधायक व चेयरमैन से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा और समाधान की मांग की।

उल्लेखनीय हैं जो 272 पीआईडी नगर पालिका ने रद्द की हैं और उन्हें वक्फ बोर्ड के नाम किया हैं, उसमें दुकाने व रिहायशी कॉलोनी बनी हुई हैं। दुकानों व मकानों की पीआईडी रद्द होने से उन्हें चिंता सताने लगी हैं। क्षेत्रवासियों ने इस संबंध में विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि व नपा चेयरमैन सुंदर अत्री से मुलाकात की और सकारात्मक निर्णय लेने की बात कही। दुकानदारों व रिहायशी बस्ती के लोगों ने नगर पालिका कार्यालय में विधायक कपूर वाल्मीकि व नपा चेयरमैन सुंदर अत्री से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा। विधायक कपूर वाल्मीकि ने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने का आश्वासन दिया और नपा चेयरमैन सुंदर अत्री ने भी उन्हें न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। 272 पीआईडी रद्द करने को लेकर लोगों का एकमत नहीं है। एक तरफ प्रशासनिक अधिकारी ने दो भाइयों की आपसी कागजी कार्यवाही को लेकर मामला स्पष्ट होने की बात कही थी।

वक्फ बोर्ड के अफसरों से मिलने का लिया है समय : विधायक

विधायक कपूर वाल्मीकि ने नगर पालिका कार्यालय में मिलने आए लोगों को आश्वासन देते हुए बताया कि शहर व हलके के सभी लोग उनके अपने हैं, उन्होंने अंबाला के वक्फ बोर्ड के अधिकारियों से मिलने का समय लिया है, वे स्वयं उनसे मिलेंगे और इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री से मिलकर रास्ता निकालने का भी प्रयास करेंगे। वे इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाएंगे।

नहीं मिल रहा संतोषजनक जवाब

क्षेत्रवासियों का कहना हैं कि वर्षों पुरानी रिहायश होने के पश्चात उनके साथ ऐसा करना गलत है, जिसको लेकर लोग बार बार नगर पालिका कार्यालय में चक्कर काट रहे हैं और जानना चाहते हैं कि किस आधार पर उनकी पीआईडी रद्द की गई, लेकिन उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल पाया हैं। इससे गुस्साए लोगों ने न्यायालय की शरण लेने की बात कही।

चरखी दादरी। टीम प्रबंधन एवं कोच के साथ रग्बी टीम। फोटो : हरिभूमि

प्रदेश की रग्बी टीम का शानदार प्रदर्शन

लड़कियों की अंडर 15 और 18 टीम ने जीते रजत पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

हरियाणा प्रदेश की रग्बी टीम द्वारा लगातार राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं के दौरान शानदार प्रदर्शन किया जा रहा है। वर्तमान में उत्तराखंड हरिद्वार के रोशनाबाद स्टेडियम में चल रही दो दिवसीय खेलों इंडिया अश्मिता रग्बी लीग नॉर्थ जोन में हरियाणा की लड़कियों का दबदबा बरकार है। कोच राजेश तक्षक ने बताया कि खेलों इंडिया अश्मिता रग्बी लीग के अंतिम दिन हरियाणा की सीनियर महिलाओं की टीम ने 5वें रैंक के लिए जम्मू और कश्मीर को 40-0 से हराया तथा तत्पश्चात उत्तर प्रदेश को 24-0 से हराकर पांचवीं रैंक हासिल की । वहीं अंडर 15 की लड़कियों की टीम ने सेमीफाइनल में उत्तराखंड को 24-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई और फाइनल में 5-0 से चंडीगढ़ से हारकर रजत पदक एवं 72000 रुपये कैश प्राइज हासिल किया। अंडर 18 में हरियाणा ने सेमीफाइनल में उत्तराखंड को 24-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

शुभकामनाएं दीं

हरियाणा की टीमों के इस शानदार प्रदर्शन पर जिला रग्बी फुटबॉल संघ चरखी दादरी के सचिव कोच राजेश तक्षक ने बताया कि हमें अपनी तीनों टीमों पर पूर्ण विश्वास है कि वे अच्छा प्रदर्शन कर पदक प्राप्त करेंगी। इस अवसर पर इस दौरान चयतिन हुए सभी खिलाड़ियों को प्रधान मेहरचंद सांगवान, चेयरमैन जयराम प्रेमी, भूपेंद्र सिंह काला सरपंच सौफ, जयभगवान, कोच राजेश तक्षक, महिला कोच सुदेश तक्षक, अधिवक्ता कुलवंत व ओमबीर महराणा आदि ने शुभकामनाएं दी।

तोशाम। हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति देती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

सांस्कृतिक कार्यक्रम उमंग का आयोजन

पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रीति और श्लोकाच्चारण में कविता प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

तोशाम के चौधरी बंसीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम उमंग का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज में फाइन आर्ट गतिविधियों के तहत पोस्टर मेकिंग, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, रंगोली, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट,भाषण, कविता पाठ और संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया।

इस दौरान महाविद्यालय की प्रीति ने पेंटिंग प्रतियोगिता तथा कविता संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जीता।

वहीं पोस्टर मेकिंग में छात्रा नवजोत तथा भाषण प्रतियोगिता में कोमल प्रथम रही। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. मनजीत सिंह ने दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम में एकल तथा समूह नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया, जिसमें छात्राओं ने हरियाणवी, पंजाबी और राजस्थानी लोक संस्कृति को दर्शाने वाली मनमोहक प्रस्तुतियां देकर महाविद्यालय प्रांगण को गुंजायमान किया।

मंत्रमुग्ध किया

गायन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने भावुक करने वाले गीत एवं गजल गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। मुख्यतिथि डॉ. दलबीर सिंह ने पारितोषिक वितरण समारोह संपन्न किया। कार्यक्रम का संचालन संस्कृति प्रकोष्ठ की मीनाक्षी ने किया। कार्यक्रम के संचालन में अन्य स्टाफ सदस्यों ज्योति, मीनू, सरिता, रेणु गुप्ता ने भरपूर सहयोग दिया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित किया

राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सेवा भावना विकसित करने का सशक्त माध्यमः बजरंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

महाविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का समापन उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बजरंग लाल उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य कुलदीप ने की। महाविद्यालय परिवार द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

मुख्य अतिथि बजरंग लाल ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सेवा भावना, सामाजिक उत्तरदायित्व, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने शिविर के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा किए गए स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता संबंधी कार्यों की सराहना की तथा विद्यार्थियों को भविष्य में भी समाज सेवा से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य कुलदीप ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, टीम भावना, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि बजरंग लाल ने सभी स्वयंसेवकों को प्रोत्साहन स्वरूप 501 की राशि प्रदान की।

लोगों ने अवैध कब्जा हटवाने को नपा सचिव को सौंपा ज्ञापन

पुराना कमेटी रोड पर चलेगा नपा का पीला पंजा, तोड़े जाएंगे चबूतरे व अवैध अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। नगर पालिका कार्यालय में सचिव संदीप गर्ग को ज्ञापन सौंपते हुए दुकानदार व अन्य। फोटो : हरिभूमि

बवानीखेड़ा स्थित पुराना कमेटी रोड शहीद गुलाब सिंह पार्क के सामने वाली गली में दुकानों के आगे बने चबूतरे व अवैध अतिक्रमण बनाए गए हैं, जिनको हटवाने को लेकर दुकानदारों व रिहायशी बस्ती के लोगों ने नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर नपा चेयरमैन के नाम नपा सचिव संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपा नपा सचिव ने जल्द ही अवैध कब्जा हटवाने का आश्वासन दिया।

उल्लेखनीय है कि पुराना कमेटी रोड जो आज के समय में बवानीखेड़ा की मुख्य मार्केट है, जिसमें सैंकड़ों दुकानें है। मार्केट में दुकानदारों ने दुकानों के आगे रैंप व सीढ़ियां बनाकर अवैध कब्जा किया हुआ है। नगर पालिका में बार बार दुकानदारों ने कब्जा हटवाने को लेकर शिकायतें दी। वहीं इस समस्या को लेकर वीरवार को पवन महता, कृष्ण, उमेश, हरीश, नरेन्द्र, कुलदीप, संजय, रिंकू, सोनू, देवेन्द्र, कमलेश, राजदीप व सोमेश आदि ने नपा सचिव संदीप गर्ग को ज्ञापन सौंपा और बताया कि दुकानदारों ने अवैध चबुतरा बनाकर अतिक्रमण किया हुआ है, जिससे राहगीरों व वाहन चालकों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता हैं। नपा सचिव संदीप गर्ग ने बताया कि उन्होंने पहले भी मुनादी करवाई थी, जल्द ही अवैध निर्माण को हटवाया जाएगा, ताकि आवागमन बाधित न हो।

छोटी काशी धर्मनगरी से श्याम भक्तों की यात्रा देती हैं धर्म का संदेशः वेदनाथ

भिवानी। दिनोद गेट स्थित श्याम मंदिर व हनुमान के संयुक्त मंदिर से भिवानी की नई अनाज मंडी से जुड़े श्री सांवरिया प्रेम मंडल द्वारा भिवानी से खाटू धाम के लिए आज मोर छड़ी व ध्वज लेकर पैदल यात्रा शुरू की गई है। जिसका शुभारंभ जोगीवाला मन्दिर के महंत वेदनाथ महाराज व महन्त चरणदास ने खाटू श्याम का निशान देकर राजस्थान खाटू धाम के लिए रवाना किया। गाजे बाजे व खाटू श्याम मोर छड़ी ,ध्वज व घोड़ी बग्गी पर खाटू श्याम की शोभायात्रा छोटी काशी में निकाली गई और नई अनाज मंडी पहुंची जिसका मंडी वासियों ने श्याम भक्तों का स्वागत किया। मंडी से यह यात्रा सुबह खाटू के लिए रवाना होगी। जिसमे 111 श्याम भक्तों का जत्था है। सिद्ध पीठ जोगीवाला शिव मंदिर धाम के महंत वेदनाथ महाराज ने कहा कि छोटी काशी में इस प्रकार के भक्तिमय कार्यक्रम लगातार जारी है । इससे संस्कार और संस्कृति तथा देवी देवताओं के प्रति भक्ति जीवित रहती है।

विद्यार्थियों ने टीबी, एड्स, एचआईवी व नशा को लेकर बनाए स्लोगन और पोस्टर

भिवानी। एमएनएस राजकीय महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में स्वास्थ्य जागरूकता को प्रोत्साहित करने के लिए तीन दिन विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। गतिविधियों के अंतर्गत क्षयरोग (टीबी) पर व्याख्यान, एड्स, एचआईवी जागरूकता तथा नशा विषयों पर स्लोगन लेखन एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। टीबी पर व्याख्यान में विद्यार्थियों को रोग के कारणों, लक्षणों, रोकथाम एवं उपचार के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य डॉ. जगबीर श्योराण ने विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरित कर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर डॉ. हरिओम शर्मा, डॉ. सुनीता, डॉ. सतीश, डॉ. दीपिका रानी, डॉ. खुशबू, डॉ. ममता आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में अत्यंत सफल रहा।

■ स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

विवाह की 57वीं सालगिरह पर शिविर का आयोजन, 31 युवाओं ने किया रक्तदान

लोहारू। एसडीएम मनोज दलाल ने कहा कि रक्तदान से सर्वोत्तम कोई कार्य नही है तथा पारिवारिक अवसरों पर रक्तदान शिविर का आयोजन करना समाज के लिए बेहतर संदेश हैं। मा. प्रहलाद शर्मा और शांति देवी के विवाह की 57वीं सालगिरह पर रक्तदान शिविर का आयोजन करना परिवार और समाज के लिए पुनीत कार्य है। भगवाना दंपति को लंबी आयु प्रदान करे ताकि भविष्य में इस प्रकार लगातार होते रहें। एसडीएम मनोज दलाल गुरूवार को प्रयास एक कोशिश सामाजिक संगठन के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में शिविरार्थियों को बैज लगाकर सम्मानित कर रहे थे। शिविर में 31 युवाओं ने रक्तदान किया। शिविर में नगर पालिका सचिव तेजपाल सिंह, श्याम सुंदर सांगवान, महेंद्र शर्मा, नपा उपप्रधान प्रतिनिधि विपिन सैनी, पार्षद अंतर सिंह, पार्षद संतलाल, जयसिंह सैनी, पार्षद प्रतिनिधि रवि, प्रधान संतलाल सैनी, प्रधान सुभाष सैनी, प्रवीण जोशी, जगदीश जायलवाल, डॉ अनिल जोशी, संजय खंडेलवाल, प्रयास संगठन के प्रधान महेंद्र कथूरिया, मा. पवन स्वामी, आदि मा. प्रहलाद शर्मा और श्रीमती शांति देवी को विवाह की वर्षगांठ की शुभकामनाएं दीं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

नाराजगी | क्षेत्रवासियों ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के खिलाफ की नारेबाजी

हालुवास गेट क्षेत्र में ठप सीवर लाइन को लेकर जनसंघर्ष समिति व क्षेत्रवासियों ने किया प्रदर्शन

नारियल तोड़कर गली निर्माण की ईंट भी रखी गई थी, लेकिन निर्माण नहीं हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। ठप सीवरेज व्यवस्था को नारेबाजी करते जनसंघर्ष समिति के सदस्य व क्षेत्रवासी।

जनसंघर्ष समिति की ओर से हालुवास गेट के सामने गली में काफी दिनों से ठप सीवरेज लाइन की सफाई की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के विरुद्ध प्रदर्शन किया।

जनसंघर्ष समिति के संयोजक कामरेड ओमप्रकाश व सदस्य सुखदेव पालुवास ने बताया कि गलीवासी पिछले दो वर्ष से परेशान हैं, क्योंकि गली में पुरानी सीवरेज लाइन है और गली काफी नीची है,। इसके साथ ही हालुवास गेट पर बड़ी लाइन में कोई बंद लगा हुआ है, जिसकी वजह से सीवरेज लाइन में गंदगी रुकी हुई है।

सीवरेज ओवरफ्लो

कामरेड ओमप्रकाश ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कर्मचारियों से सम्पर्क किया तो उन्होंने सम्बन्धित एसडीओ व जेई से सम्पर्क करने की बात कही। इस गली में पहले भी कई बार सीवरेज ओवरफ्लो हो चुके है लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। क्षेत्रवासी गली में गंदा पानी जमा होने व बदबू मारने से काफी परेशान हैं।

विधायक ने दिया था आश्वासन

बता दें कि पिछले दिनों हल्के के विधायक घनश्याम सर्राफ व नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने भी गली का दौरा कर गलिवासियों को आश्वासन दिया था कि सीवरेज की नई लाइन डलवाकर गली को उंचा उठाया जाएगा, इसके लिए गली में नारियल तोड़कर गली निर्माण की ईंट भी रखी गई थी, लेकिन अब दोनों जनप्रतिनिधि गली की कोई सुध नहीं ले रहे। पिछले दिनों भी जनसंघर्ष समिति ने प्रदर्शन करके एक बार सीवरेज की सफाई करवाई थी। गंदे पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने पर फिर सीवरेज ओवरफ्लो होकर गंदा पानी सड़क पर गली में जमा हो गया हैं, जिससे बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं को आवागमन में काफी परेशानी उठानी पड़ रही हैं। प्रदर्शन में कविता, कमला, बीरमति, चन्दर, लक्ष्मी, बबली, राजपति, ममता, सीता, अनिता, केला, राहुल कांटिवाल, इंद्र, सोनू, गीतांजति, निशा, कृष्णा, रीना व बाला आदि शामिल रही।